UNIVERSITY NEWS 11 NOVEMBER 2026

NBT

पुराने प्रारूप में ही होगी LU की परीक्षा

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय (LU) की आगामी सेमेस्टर परीक्षाएं पुराने फॉर्मेट पर ही आयोजित की जाएंगी। परीक्षा शुरू होने में महज एक सप्ताह का समय शेष रहने के कारण विवि प्रशासन ने फिलहाल परीक्षा मोड और प्रश्नों की संख्या में कोई बदलाव न करने का फैसला किया है। विवि प्रशासन परीक्षा पैटर्न में बड़े फेरबदल की तैयारी में है, जिसके तहत पूर्व की भांति दोबारा 'यूनिट-वाइज' प्रश्न पूछे जाने हैं और प्रश्नपत्रों का नया खाका खींचा जा रहा है। कम वक्त को देखते हुए इस सत्र में पुरानी व्यवस्था ही लागू रहेगी, जबकि नया परीक्षा पैटर्न नए साल से अमल में लाया जाएगा।

LU में विदेशी छात्र भी उठाएंगे आवाज

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) में विदेशी छात्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। विवि की नवगठित 'मेरिटोरियस स्टूडेंट काउंसिल' में पहली बार तीन विदेशी छात्रों को प्रतिनिधि के रूप में शामिल किया गया है। अब तक इस काउंसिल में केवल स्थानीय छात्रों को ही जगह मिलती थी। न्यू कैंपस में आरिफुर्रहमान को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं ओल्ड कैंपस में जैक हा जोंग और देबोजीत निबिर को प्रतिनिधि बनाया गया है।

I NEXT

अंडमान निकोबार में असीम संभावनाएं

LUCKNOW (10 NOV): अंडमान निकोबार द्वीप के उप राज्यपाल डा. दिनेश शर्मा ने कहा कि 836 द्वीप के इस समूह में से 31 पर ही आबादी है और शेष पर प्राकृतिक सौंदर्य बिखरा है. पर्यटन की दृष्टि से तमाम संभावनाएं हैं. आने वाले समय में ये देश की आर्थिक तरक्की का केंद्र बनने जा रहा है. वह मंगलवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पर्यटन विकास एवं आर्थिक संभावनाओं पर आयोजित विशेष परिचर्चा में मुख्य वक्ता थे. लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग की ओर से प्रो. एसवी सिंह सभागार में आयोजित कार्यक्रम में डा. दिनेश शर्मा ने कहा कि यहां का समुद्र तट दुनिया के खूबसूरत तट श्रेणी में शामिल है.

बायोमीट्रिक सत्यापन 12 से 15 तक

LUCKNOW (10 NOV): लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए दशमोत्तर छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के लिए बायोमीट्रिक सत्यापन अनिवार्य कर दिया गया है. विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसके लिए 12 से 15 नवंबर तक की तिथियां निर्धारित की हैं. सत्यापन की प्रक्रिया विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में पूरी होगी. विश्वविद्यालय के छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी के मुताबिक, जिन विद्यार्थियों ने छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए आवेदन पत्र जमा किए हैं, उन्हें अपनी रिसीविंग संख्या के आधार पर निर्धारित तिथि और समय पर बायोमीट्रिक सत्यापन कराना होगा. संस्थान स्तर से आवेदन पत्र अग्रसारित किए जाने से पहले बायोमीट्रिक सत्यापन अनिवार्य है. निर्धारित प्रक्रिया पूरी नहीं करने पर आवेदन अग्रसारित नहीं हो सकेगा.

AMAR UJALA

पर्यावरण संरक्षण के साथ हो विकास : डॉ. दिनेश

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग की ओर से अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पर्यटन विकास और आर्थिक संभावनाओं पर विशेष परिचर्चा आयोजित की गई। इसमें उपराज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा मुख्य अतिथि और वक्ता के रूप में शामिल हुए। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। विभागाध्यक्ष अवधेश कुमार ने परिवहन अवसंरचना मजबूत करने और उड़ान योजना के माध्यम से क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाने की जरूरत बताई। उन्होंने ग्रेट निकोबार परियोजना का समर्थन करते हुए पर्यावरणीय क्षरण रोकने पर बल दिया। उपराज्यपाल ने टाउनशिप, बंदरगाह और हवाई अड्डे के विस्तार की योजनाओं की जानकारी दी। (संवाद)

AMRIT VICHAR

अंडमान-निकोबार को ब्लू इकोनॉमी का केंद्र बनाने पर जोर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में मंगलवार को "अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पर्यटन विकास के अवसर एवं आर्थिक विकास की संभावनाएं" विषय पर विशेष परिचर्चा का आयोजन हुआ। इसमें मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता के रूप में अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल प्रो. (डॉ.) दिनेश शर्मा उपस्थित रहे। विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार ने 'ग्रेट निकोबार परियोजना' और 'उड़ान' योजना के तहत हवाई संपर्क विस्तार पर बल दिया।

● लविवि के वाणिज्य विभाग में पर्यटन व आर्थिक विकास पर विशेष परिचर्चा आयोजित

कुलपति ने द्वीपीय पर्यटन को अयोध्या, काशी और मथुरा की तर्ज पर आध्यात्मिक व सांस्कृतिक आयामों से जोड़ने का सुझाव दिया। उपराज्यपाल प्रो. दिनेश शर्मा ने सेल्यूलर जेल, वीर सावरकर और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के ऐतिहासिक योगदान को नमन किया।

उन्होंने बताया कि द्वीपों में बंदरगाह, टाउनशिप और हवाई संपर्क का विस्तार पर्यावरण संरक्षण के साथ किया जा रहा है। उदयपुर की तर्ज पर इसे लक्जरी वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की योजना है।

AMRIT VICHAR

वजीफा फॉर्म आगे बढ़ाने को बायोमैट्रिक अनिवार्य

डीएसडब्ल्यू कार्यालय में 12 से 15 तक किया जाएगा सत्यापन

लविवि

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति (सत्र 2026-27) के लिए आवेदन करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए बायोमैट्रिक उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है। संस्था स्तर से आवेदन पत्रों को अग्रसारित करने से पूर्व विद्यार्थियों को छात्र कल्याण अधिष्ठाता (डीएसडब्ल्यू) कार्यालय के छात्रवृत्ति अनुभाग में पहुंचकर बायोमैट्रिक दर्ज कराना होगा।

विश्वविद्यालय के नोडल ऑफिसर (छात्रवृत्ति) की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, जिन विद्यार्थियों ने मुख्य परिसर स्थित डीएसडब्ल्यू कार्यालय में आवेदन पत्र का प्रिंट-आउट जमा कर दिया है, उन्हें प्राप्त रिसीविंग नंबर के आधार पर निर्धारित तिथियों और समय पर उपस्थित होना होगा। तय समय पर बायोमैट्रिक सत्यापन न कराने पर आवेदन पत्र आगे अग्रसारित नहीं किया जा सकेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित छात्र-छात्रा की होगी।

बायोमैट्रिक सत्यापन का विस्तृत कार्यक्रम

- 12 नवंबर को सुबह 11 से दोपहर 1:30 बजे तक सामान्य वर्ग और दोपहर 2.00 से शाम 4.30 बजे तक, अन्य पिछड़ा वर्ग।
- 13 नवंबर को सुबह 11 से दोपहर 1:30 बजे तक अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति और 2 से शाम 4:30 बजे तक अल्पसंख्यक वर्ग।
- 14 नवंबर को सुबह 11 से दोपहर 1:30 बजे तक सामान्य वर्ग और दोपहर 2 से शाम 4:30 बजे तक अन्य पिछड़ा वर्ग।
- 15 नवंबर को सुबह 11 से दोपहर 1:30 बजे तक सामान्य वर्ग और दोपहर 2 से शाम 4:30 बजे तक अन्य पिछड़ा वर्ग।

प्रवेश व परीक्षा व्यवस्था की उलझनों में फंसे छात्र



■ **लखनऊ, अमृत विचार :** लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रवेश एवं परीक्षा व्यवस्था में किए गए बदलावों से हजारों विद्यार्थियों का भविष्य अधर में लटक गया है। विश्वविद्यालय से संबद्ध 545 कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं एनरोलमेंट और कोर्स सेलेक्शन की तकनीकी व प्रशासनिक खामियों के चलते भारी असमंजस में हैं। एक तरफ परीक्षाएं सिर पर हैं और तिथियां घोषित की जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में छात्र परीक्षा फॉर्म तक नहीं भर पा रहे हैं। विगत वर्षों में परीक्षा से कुछ दिन पहले तक प्रवेश की प्रक्रिया पूरी कर ली जाती थी, लेकिन नई व्यवस्था के तहत प्रवेश, एनरोलमेंट और कॉलेज लेटर के जटिल चक्रव्यूह ने स्थिति बिगाड़ दी है। स्थिति यह है कि कई संबद्ध महाविद्यालयों में 20 से 30 फीसदी विद्यार्थियों का एनरोलमेंट तक जनरेट नहीं हो सका है। छात्रों के पोर्टल लॉगिन में कोर्स सेलेक्शन का विकल्प प्रदर्शित न होने से वे लगातार विश्वविद्यालय और कॉलेजों के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

HINDUSTAN

एलयू में छात्रवृत्ति आवेदन का बायोमीट्रिक सत्यापन कल से



लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के लिए बायोमीट्रिक सत्यापन अनिवार्य कर दिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बायोमीट्रिक सत्यापन के बिना छात्र-छात्राओं के आवेदन अग्रसारित नहीं किए जाएंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय ने 12 से 15 नवंबर तक श्रेणीवार कार्यक्रम जारी किया है।

नोडल अधिकारी (छात्रवृत्ति) की ओर से कहा गया है कि जिन विद्यार्थियों ने आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी छात्र कल्याण अधिष्ठाता (डीएसडब्ल्यू) कार्यालय में जमा की है, उन्हें मुख्य परिसर स्थित कार्यालय में पहुंचकर बायोमीट्रिक सत्यापन कराना होगा। इसके लिए विद्यार्थियों को आवेदन जमा करने के बाद मिली रिसीविंग संख्या के आधार पर निर्धारित तारीख और समय पर बुलाया गया है। जारी कार्यक्रम के तहत 12 नवंबर को सामान्य वर्ग के 801 से 1050 तक रिसीविंग नंबर वाले विद्यार्थी सुबह 11 से दोपहर 1:30 बजे तक और ओबीसी वर्ग के 1001 से 1250 तक के विद्यार्थी दोपहर दो से 4:30 बजे तक पहुंचेंगे। 13 नवंबर को एससी-एसटी वर्ग के 801 से 1050 और अल्पसंख्यक वर्ग के 201 से 450 तक के विद्यार्थियों का सत्यापन होगा। 14 नवंबर को सामान्य वर्ग के 1051 से 1300 और ओबीसी के 1251 से 1500 तक के विद्यार्थियों को बुलाया गया है। वहीं 15 नवंबर को सामान्य वर्ग के 1301 से 1550 और ओबीसी के 1501 से 1750 तक के विद्यार्थियों का सत्यापन होगा।

विद्यार्थियों को दी निर्धारित समय पर पहुंचने की सलाह

विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों को निर्धारित समय पर पहुंचने की सलाह दी है। सत्यापन नहीं कराने पर आवेदन अग्रसारित नहीं हो सकेगा और इसकी जिम्मेदारी संबंधित विद्यार्थी की होगी।

HINDUSTAN

एलयू: विषम सेमेस्टर के 292 परीक्षा, 21 नोडल केंद्र

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने विषम सेमेस्टर परीक्षाओं की तैयारियां तेज कर दी हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा के लिए केन्द्रों की सूची जारी कर दी है। लखनऊ समेत पांच जिलों में कुल 292 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। वहीं, परीक्षा व्यवस्था के संचालन और निगरानी के लिए 21 नोडल परीक्षा केन्द्र भी निर्धारित किए गए हैं।

विश्वविद्यालय की ओर से जारी प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार तीसरे, पांचवे सेमेस्टर की परीक्षाएं 17 नवम्बर से शुरू होंगी, जबकि प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 28 नवम्बर से प्रस्तावित हैं।

परीक्षा केन्द्रों की सूची जारी होने के बाद अब संबद्ध महाविद्यालयों और विश्वविद्यालय परिसर के विद्यार्थियों को अपने परीक्षा केन्द्र की जानकारी मिल सकेगी। जानकारी के अनुसार बता दें कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा को व्यवस्थित और पारदर्शी ढंग से कराने के लिए केन्द्रों का निर्धारण किया है। पांच जिलों में परीक्षा केन्द्रों के जरिए बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं परीक्षाओं में शामिल होंगे। 21 नोडल केन्द्रों से केन्द्रों की निगरानी होगी।

AMAR UJALA

छात्रवृत्ति के लिए कराना होगा बायोमीट्रिक

लविवि ने जारी किया सत्यापन का रोस्टर

संवाद न्यूज एजेंसी



लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत सत्र 2026-27 के लिए आवेदन करने वाले विद्यार्थियों का बायोमीट्रिक सत्यापन अनिवार्य कर दिया गया है। सत्यापन नहीं कराने पर विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति अटक सकती है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने मंगलवार को ऐसे विद्यार्थियों का रिसीविंग नंबर के आधार पर रोस्टर जारी किया, जिन्होंने ऑफलाइन आवेदन की हार्ड कॉपी जमा कर दी है लेकिन बायोमीट्रिक उपस्थिति दर्ज नहीं कराई है। संबंधित विद्यार्थियों को निर्धारित तिथि और समय पर विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर पहुंचकर प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

विश्वविद्यालय के अनुसार, आवेदन पत्र जमा करने के बाद प्राप्त रिसीविंग नंबर के आधार पर विद्यार्थियों का रोस्टर तय किया गया है।

■ **12 नवंबर :** सामान्य वर्ग के 801 से 1050 तक के रिसीविंग नंबर वाले विद्यार्थियों का सत्यापन सुबह 11 से दोपहर 1:30 बजे तक होगा। ओबीसी वर्ग के 1001 से 1250 तक के विद्यार्थियों का सत्यापन दोपहर दो से शाम 4:30 बजे तक होगा। ■ **13 नवंबर :** एससी-एसटी वर्ग के 801 से 1050 और अल्पसंख्यक वर्ग के 201 से 450 तक के विद्यार्थियों का सत्यापन क्रमशः सुबह 11 से दोपहर 1:30 बजे और दोपहर दो से शाम 4:30 बजे तक होगा। ■ **14 और 15 नवंबर :** सामान्य व ओबीसी वर्ग के अगले क्रमशः 250-250 विद्यार्थियों का इसी समयानुसार सत्यापन किया जाएगा।

HINDUSTAN

अंडमान भी बनेगा वेडिंग डेस्टिनेशन

लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग की ओर से प्रो. एस.बी. सिंह सभागार में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पर्यटन विकास के अवसर एवं आर्थिक विकास की संभावनाएं विषय पर परिचर्चा हुई। जिसमें अंडमान निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा मुख्य वक्ता रहे। उपराज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा ने विवि के पूर्व छात्र और प्रोफेसर के रूप में अपनी शैक्षणिक यात्रा को याद किया। साथ ही उदयपुर की तर्ज पर इन द्वीपों को एक प्रमुख लक्जरी वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने की परिकल्पना की। एलयू कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन को लेकर जन-जागरूकता नगण्य है। यह रेखांकित करते हुए कि भारतीय यात्री स्वाभाविक रूप से पर्यटन को आध्यात्मिक पहलुओं से जोड़ते हैं।

DAINIK JAGRAN

'अंडमान निकोबार समूह में 31 पर ही आबादी'

जासं • **लखनऊ:** अंडमान निकोबार द्वीप के उप राज्यपाल डा. दिनेश शर्मा ने कहा कि 836 द्वीप के इस समूह में से 31 पर ही आबादी है और शेष पर प्राकृतिक सौंदर्य बिखरा है। पर्यटन की दृष्टि से तमाम संभावनाएं हैं। आने वाले समय में ये देश की आर्थिक तरक्की का केंद्र बनने जा रहा है। वह मंगलवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पर्यटन विकास एवं आर्थिक संभावनाओं पर आयोजित विशेष परिचर्चा में मुख्य वक्ता थे।



कार्यक्रम का शुभारंभ करते अंडमान निकोबार द्वीप समूह के उप राज्यपाल डा. दिनेश शर्मा • लवि

लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग की ओर से प्रो. एसबी सिंह सभागार में आयोजित कार्यक्रम में डा. दिनेश शर्मा ने कहा कि यहां का समुद्र तट दुनिया के खूबसूरत तट श्रेणी में शामिल है। समुद्र का नीला पानी और आसपास की हरियाली प्रकृति का शानदार नजारा देती है जो हमेशा के लिए मन मस्तिष्क में बस जाता है। पर्यटन विकास के लिए वहां से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की शुरुआत भविष्य में हो सकती है। दिसंबर में एशिया के 10 देशों के प्रतिनिधियों को चर्चा के लिए अंडमान आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस द्वीप की देश से दूरी के चलते ही अंग्रेजों ने क्रांतिकारियों को स्वतंत्रता संग्राम की मुख्यधारा से दूर करने के स्थान की तरह प्रयोग किया। यहां दंड बस्ती और जेल बनाकर क्रांतिकारियों को जेल भेजा गया और तमाम यातनाएं दी गईं। वीर सावरकर और उनके भाई एक साथ यहां रहे, लेकिन एक-दूसरे से मिल नहीं पाए। इस अवसर पर कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो. जेपी सैनी, संकाय अध्यक्ष वाणिज्य विभाग प्रो. अर्चना सिंह, विभागाध्यक्ष वाणिज्य विभाग प्रो. अवधेश कुमार, पूर्व विभागाध्यक्ष डा. राम मिलन, प्रो. राजीव महेश्वरी, डा. अनूप सिंह व डा. विमल जायसवाल उपस्थित रहे।

छात्रवृत्ति आवेदन के सत्यापन 12 से 15 तक

जासं • **लखनऊ:** लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए दशमोत्तर छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के लिए बायोमीट्रिक सत्यापन अनिवार्य कर दिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसके लिए 12 से 15 नवंबर तक की तिथियां निर्धारित की हैं। सत्यापन की प्रक्रिया विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में पूरी होगी।

विश्वविद्यालय के छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी के मुताबिक, जिन विद्यार्थियों ने छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए आवेदन पत्र जमा किए हैं, उन्हें अपनी रिसीविंग संख्या के आधार पर



निर्धारित तिथि और समय पर बायोमीट्रिक सत्यापन कराना होगा। संस्थान स्तर से आवेदन पत्र अग्रसारित किए जाने से पहले बायोमीट्रिक सत्यापन अनिवार्य है। प्रक्रिया पूरी नहीं करने पर आवेदन अग्रसारित नहीं हो सकेगा।

श्रेणीवार सत्यापन का कार्यक्रम

12 नवंबर : सामान्य वर्ग के रिसीविंग नंबर 801 से 1050 तक सुबह 11 से दोपहर 1:30 बजे तक और अन्य पिछड़ा वर्ग के 1001 से 1250 तक दोपहर दो से शाम 4:30 बजे तक।

13 नवंबर : अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के 801 से 1050 तक सुबह 11 से दोपहर 1:30 बजे तक और अल्पसंख्यक वर्ग के 201 से 450 तक दोपहर दो से शाम 4:30 बजे तक।

14 नवंबर : सामान्य वर्ग के 1051 से 1300 तक सुबह 11 से दोपहर 1:30 बजे तक और अन्य पिछड़ा वर्ग के 1251 से 1500 तक दोपहर दो से शाम 4:30 बजे तक।

15 नवंबर : सामान्य वर्ग के 1301 से 1550 तक सुबह 11 से दोपहर 1:30 बजे तक और अन्य पिछड़ा वर्ग के 1501 से 1750 तक दोपहर दो से शाम 4:30 बजे तक।